

आजकल

16

इधर-उधर की

इलेक्ट्रिक ईल से रोशन

हुआ क्रिसमस ट्री



वाशिंगटन, एजेंसी: अमेरिकी की टैनसी प्रांत में स्थित एवरियम में रहने वाली मिमुल वैंट सन नामक इलेक्ट्रिक ईल मल्टीटारक है। दरअसल, वह ईल अपने प्रयासों से एक क्रिसमस ट्री को रोशन कर रही है। एवरियम के इंजीनियर और अन्य कर्मचारियों ने एक दिन देखा कि वैंट सन की प्राकृतिक ऊज़ा से क्रिसमस ट्री प्रकाश से नहा गया है तो उन्होंने वैंट सन के टैक में संसर्जन के लिए दिवार का साहाय्य लिया। उन्होंने लिखा, 'हर छोटी बच्ची जो इस क्षण को देख रही होगी वह सपनों की ताकत पर न केवल भरोसा करेगी बल्कि वह मुझमें अपना अक्षर भी देखेगी।' आज रात संभावनाओं का एक द्वार खुला है और मैं आधारी हूं कि मुझे इसका फायदा मिला देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं।

शोध अनुसंधान

कैलैरी घटाने की कोशिश में बढ़ सकता है ब्राउन फैट



एक अध्ययन में पाया गया है कि अगर आप कैलैरी घटाने की कोशिश करते हैं तो तीव्रिका तंत्र के कारीब मौजूद ब्राउन फैट की मात्रा और बढ़ जाती है। अपर्याप्त पर व्हाइट फैट सोशल कर्ताओं के अध्ययन का केंद्र रखा है, लेकिन अब शोधकर्ता ब्राउन फैट से संबंधित स्वास्थ्य लाभों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। मानव शरीर में पेट, कूल्हों और जांबों जैसे कुछ अंगों पर व्हाइट फैट होता है। शिशुओं में वयस्कों की तुलना में अधिक लाभों के अनुभव और व्हाइट फैट के अधिकारी आवाज को एक द्वार खुला है जो उन्हें गर्म रखने में मदद करता है। पहली बार कोम्प्यूटर विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने उन सभी प्रोटीनों की मैटिंग की है जो वयस्क मानव शरीर के ब्राउन और व्हाइट फैट कोशिकाओं से साझित होती हैं। इससे उन्हें पता चला है कि फैट के दो प्रकार शरीर के बाकी हिस्सों में बहुत अलग-अलग संरचित भेजते हैं। ब्राउन फैट 100 से अधिक प्रोटीन का स्नाव करते हैं जो शोधकर्ताओं ने यह दाव करती है।

लड़के-लड़कियों में अलग

प्रभाव डालते हैं फूट सलीमेंट प्रोबायोटिक फूट सलीमेंट जैसे खमीर आदि के सेवन से सूअर के नर और मादा बच्चों की प्रतिरक्षा प्रणालियों पर अलग-अलग संरचित पड़ता है। ब्रिटेन में यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल के शोधकर्ताओं ने यह दाव किया है। उनका मानव शरीर के आंतरिक फूट सलीमेंट जैसे खमीर आदि के सेवन से अलग-अलग अंगों को उत्तरान किया। लगभग 70 फैसल प्रतिरक्षा प्रणाली अंत में होती है और इसका विकास शुरूआती जीवन के दौरान होता है। -प्रेद

चिंताजनक

मछलियों की कई प्रजातियां विलुप्त होने के कागर पर, इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजरवेशन ऑफ नेचर में आया सामने

दुनियाभर के समुद्रों में कम हो रही है ऑक्सीजन

मेडिड, आइएनएस : दुनिया भर के समुद्रों में कम हो रही ऑक्सीजन की मात्रा से मछलियों की कई प्रजातियों और अन्य जलीय जीवों के अस्तित्व को खत्तर पैदा हो गया है। ऐसा धरती का तापन बढ़ने से पर्यावरण और हो रहे बदलाव और पोषक प्रदूषित होने के कारण हो रहा है। आइड्सूसिएन ने यह रिपोर्ट पर्यावरण पर संयुक्त राष्ट्र आयोजित सम्मेलन में पेश की है। सम्मेलन में कोरिक 200 देश हिस्सा ले रहे हैं।

आइयूसोएन (इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजरवेशन ऑफ नेचर) के कार्यकारी महानिवेशक ग्रेगेल युडला ऑक्सीजन के स्तर में गिरावट सुनिश्चित कर देती है। इसका तारीखी नाम आया सामने।



ऑक्सीजन की कमी से जलीय जीव-जंतुओं पर भी पड़ रही है।

स्थानीय विवरणों के अनुसार जलीय जीवों की मात्रा में वृद्धि होती है।

जलीय जीवों की मात्रा में वृद्धि होती है।